पर रहने वाला भारत अब 17वें स्थान पर आ गया है, यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ख) क्या यह भी सच है कि विदेशी पुस्तकों का आयात बहुत बड़े पैमाने पर हो रहा है ; यदि हां, तो इस समय कितनी पुस्तकों का आयात किया जा रहा है ; और

(ग) क्या सरकार इस संबंध में खुला सामान्य लाइसेंस समाप्त करने का विचार रखती है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चिमनभाई मेहता) : (क) ऐसी कोई स्वीकृत अन्तर्राष्ट्रीय रैंक निर्धारण पद्धति नहीं है, जिसके आधार पर यह कहा जा सके कि पुस्तक प्रकाशन के क्षेत्र में भारत का विश्व में सत्रहवां स्थान है । तथापि, 1989 के लिए यूनेस्को सांख्यिकीय वर्ष पुस्तक में 84 देशों में प्रकाशित शीर्षकों की संख्या की सूची है जिसके अनुसार 1985 में 10 देशों ने भारत की अपेक्षा अधिक संख्या में शीर्षक प्रकाशित किए ।

(ख) यह सच है कि पर्याप्त संख्या में पुस्तकें भारत में आयात की जाती हैं। अद्यतन उपलब्ध सूचना के अनुसार, 1987-88 में 4547.02 लाख रुपये की कीमत की पुस्तकों के साथ साथ 2524.11 लाख रुपये की कीमत की पुस्तिकाओं, विवरणिकाओं, पत्रकों तथा सूचीपत्रों और 1.77 लाख रुपये की कीमत की बाल पुस्तकों का आयात किया गया था ।

(ग) ऐसा कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है ।

भारतीय शान्ति सेना (आई०पी०के० एफ०) के मारे गए या घायल कार्मिक तथा मुआवजे का भुगतान

***120. सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :**
श्री प्रमोद महाजन :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 31 मार्च 1990 तक भारतीय शांति सेना को श्रीलंका से पूरी तरह वापस बुला लिया गया है ;

(ख) यदि हां, तो श्रीलंका में इस बल के ठहरने की अवधि के दौरान इसके कितने अधिकारी और जवान मारे गए तथा घायल हुए ;

(ग) क्या सरकार ने श्रीलंका में मारे गए तथा घायल हुए सभी अधिकारियों तथा जवानों को देय मुआवजे का भुगतान कर दिया है ;

(घ) यदि नहीं, तो कुल कितने मामलों को निपटा दिया गया है और कितने मामले अभी भी लम्बित पड़े हैं और इन मामलों को कब तक निपटा दिए जाने की संभावना है ; और

(ङ) भारतीय शांति सेना के मिशन पर कुल कितना खर्च आया है ?

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राजा रमन्ना) : (क) जी, हां ।

(ख) भारतीय शांति सेना की कार्रवाइयों के दौरान मारे गए/घायल हुए अफसरों तथा जवानों की संख्या नीचे दी गई है :—

	मारे गए	घायल हुए
अफसर	55	162
जूनियर कमीशन अफसर	77	188
अन्य रैंक	1031	2632

(ग) और (घ) सिवाय 34 मामलों के, अन्य सभी मामलों में देय मुआवजे की अदायगी कर दी गई है । आशा है इन 34 मामलों की भी तीन महीनों के भीतर निपटा दिया जाएगा ।

(ङ) फरवरी, 1990 के अन्त तक 299.12 करोड़ रुपए का अनुमानित अतिरिक्त व्यय ।

उपयुक्त व्यय वेतन और भत्तों आदि के अतिरिक्त है । वेतन और भत्तों पर होने वाला व्यय सैनिकों के भारत में होने की स्थिति में भी हुआ होता ।